VIDEO Play

भजन

गर जा रही हो खेल में रूहो प्यारियो
याद अर्श की दिल से न कभी विसारीयो

1– माया की चकाचौंध में तुम खो न जाना
झूठ में झूठे सुपन के महल बनाना ना
झूठे तन में रहनी अर्श उतारियो

2– रूहअल्ला भेजूंगा तुम्हें बुलावन को
अर्श की वाणी दूंगा साथ जगावन को
वचन जाग्रत चित्त में सदा चितारियो

3– आशिक हूं मैं आशिकी तुमसे निभाऊंगा
दुख तुम्हारे कांधा दे के उठाऊंगा
साथ तुम्हारे हूँगा दिल से पुकारियो

4– ईमान इश्क को कभी भी अपने खोना ना
अश्कों से दामन को कभी भिगौना ना
ये दर्द मेरा है मुझको ही दे डारियो